Business Standard

23rd January 2017

Note ban has negative impact on jobs, SMEs: Assocham

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 22 January

Demonetisation has negatively impacted job creation by hurting small and medium enterprises in the immediate run, an Assocham survey on Sunday said. However, large and well-organised sectors of the Corporate India stand to benefit in the long run, Assocham's Bizcon Survey said.

"Demonetisation of high value currency notes would leave quite a negative impact on SMEs, rural consumption and job creation in the immediate run," it said.

With regard to the sectoral impact, it said a majority feel that agriculture, cement, fertiliser, automobile, textiles and retail will have "negative impact".

Business Line

23rd January 2017

Note-ban had negative impact on jobs, SMEs: Assocham survey

PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, January 22

Demonetisation has negatively impacted job creation by hurting small and medium enterprises (SMEs), an Assocham survey said.

However, the large and well-organised sectors of corporate India stand to benefit in the long run, Assocham's Bizcon Survey said.

"Demonetisation will leave quite a negative impact on SMEs, rural consumption and job creation," it said.

On sectoral impact of demonetisation, it said a majority of industry feels that agriculture, cement, fertiliser, automobile, textiles and retail will have "negative impact".

Rajasthan Patrika

23rd January 2017

नोटबंदी पर एसोचैम...

संगठित क्षेत्रों को लाभ, कृषि-रोजगार पर पड़ रहा कुप्रभाव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. नोटबंदी से आने वाले समय में कॉरपोरेट जैसे संगठित एवं बड़े क्षेत्रों को लाभ मिलेगा, जबकि कृषि, ग्रामीण खपत, रोजगार सृजन तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों पर इसका तात्कालिक प्रभाव नकारात्मक होगा।

उद्योग संगठन एसोचैम तथा बिजकॉन के सर्वेक्षण के अनुसार नोटबंदी का कृषि, टेक्सटाइल, सीमेंट, खाद, ऑटो मोबाइल, रियल एस्टेट और खुदरा कोराबार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जबकि ऊर्जा, तेल एवं गैस, दवा, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक, वित्त, आधारभूत ढांचा और एफएमसीजी पर सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। विभिन्न क्षेत्रों पर नोटबंदी के प्रभाव की जांच के लिए किए गए इस सर्वेक्षण से जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि अधिकतर का मानना है कि एक और तिमाही तक लघु एवं मध्यम उद्योग पर नोटबंदी का असर दिखेगा, जबकि आने वाले समय में बड़ी कंपनियों को इसका लाभ मिलेगा।

Deshbandhu

23rd January 2017

नोटबंदी से संगठित क्षेत्रों को होगा लाभ : एसोचैम

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। नोटबंदी से आने वाले समय में कॉरपोरेट जैसे संगठित एवं बड़े क्षेत्रों को लाभ मिलेगा, जबकि कृषि, ग्रामीण खपत, रोजगार सृजन तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों पर इसका तात्कालिक प्रभाव नकारात्मक होगा।

उद्योग संगठन एसोचैम तथा बिजकॉन के सर्वेक्षण के अनुसार नोटबंदी का कृषि, टेक्सटाइल, सीमेंट, खाद, ऑटो मोबाइल, रिएल एस्टेट और खुदरा कोराबार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जबकि ऊर्जा, तेल एवं गैस, दवा, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक, वित्त, आधारभूत ढांचा व एफएमसीजी पर सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। विभिन्न, क्षेत्रों पर नोटबंदी के प्रभाव की जांच के लिए किए गए इस सर्वेक्षण से जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि अधिकतर का मानना है कि एक और तिमाही तक लघु एवं मध्यम उद्योग पर नोटबंदी का असर दिखेगा जबकि आने वाले समय में बड़ी कंपनियों को इसका लाभ मिलेगा। सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर लोगों कहना था कि नोटबंदी का असर चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में गिरती हुई बिक्री पर दिखेगा। आर्डर बुक का भी यही हाल रहेगा लेकिन निवेश गत तिमाही के अनुसार ही रहेगा। सब्जी तथा कुछ अन्य फसलों के दाम में आई नरमी भी एक तरह से नोटबंदी की वजह से हुई नकदी की किल्लत के कारण की गई आपात बिक्री का नतीजा है।

सर्वेक्षण में शामिल लगभग 92 प्रतिशत का कहना है कि नोटबंदी का महंगाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि 66 फीसदी का कहना है कि खासकर ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ता धारणा तथा मांग में आई गिरावट से निवेश पर बुरा असर पड़ेगा। एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा कि अर्थव्यवस्था जब अस्थिरता के दौर से गुजर रही हो तो सही स्थिति का आकलन मुश्किल है।

- कृषि, रोजगार सृजन पर पड़ेगा नकारात्मक प्रभाव
- उद्योग संगठन एसोचैम व बिजकॉन के सर्वेक्षण में हुआ खुलासा

> "अर्थव्यवस्था जब अस्थिरता के दौर से गुजर रही हो तो सही स्थिति का आकलन मुश्किल है लेकिन हमारे सर्वेक्षण से विभिन्न क्षेत्रों पर नोटबंदी के दबाव का पता तो चलता ही है। **-डीएस रावत, एसोचैम के महासचिव**

Punjab Kesari

23rd January 2017

नोटबंदी से कृषि, रोजगार सृजन पर नकारात्मक प्रभाव

नई दिल्ली, (वार्ता): नोटबंदी से आने वाले समय में कॉरपोरेट जैसे संगठित एवं बड़े क्षेत्रों को लाभ मिलेगा जबकि कृषि, ग्रामीण खपत, रोजगार सृजन तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों पर इसका तात्कालिक प्रभाव नकारात्मक होगा।

उद्योग संगठन एसोचैम तथा बिजकॉन के सर्वेक्षण के अनुसार नोटबंदी का कृषि, टेक्सटाइल, सीमेंट, खाद, ऑटो मोबाइल, रिएल एस्टेट और खुदरा कोराबार पर नकारात्मक प्रभाव पडेगा जबकि ऊर्जा, तेल एवं गैस, दवा, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक, वित्त, आधारभूत ढांचा और एफएमसीजी पर सकारात्मक असर देखने को मिलेगा।

विभिन्न क्षेत्रों पर नोटबंदी के प्रभाव की जांच के लिए किये गये इस सर्वेक्षण से जो तथ्य सामने आये हैं, उनसे पता चलता है कि अधिकतर का मानना है कि एक और तिमाही तक लघु एवं मध्यम उद्योग पर नोटबंदी का असर दिखेगा जबकि आने वाले समय में बड़ी कंपनियों को इसका लाभ मिलेगा।

असर

- उद्योग संगठन एसोचैम तथा बिजकॉन की सर्वेक्षण रिपोर्ट, संगठित क्षेत्रों को होगा लाभ

सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर लोगों कहना था कि नोटबंदी का असर चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में गिरती हुई बिक्री पर दिखेगा। आर्डर बुक का भी यही हाल रहेगा लेकिन निवेश गत तिमाही के अनुसार ही रहेगा।

सब्जी तथा कुछ अन्य फसलों के दाम में आयी नरमी भी एक तरह से नोटबंदी की वजह से हुई नकदी की किल्लत के कारण की गयी आपात बिक्री का नतीजा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 92 प्रतिशत का कहना है कि नोटबंदी का महंगाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि 66 फीसदी का कहना है कि खासकर ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ता धारणा तथा मांग में आयी गिरावट से निवेश पर बुरा असर पड़ेगा। एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा-अर्थव्यवस्था जब अस्थिरता के दौर से गुजर रही हो तो सही स्थिति का आकलन मुश्किल है लेकिन हमारे सर्वेक्षण से विभिन्न क्षेत्रों पर नोटबंदी के दबाव का पता तो चलता ही है।

अभी पूरी निश्चितता के साथ यह बताने में समय लगेगा कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचा या नुकसान हुआ। मौजूदा स्थिति में कुछ क्षेत्रों पर इसका प्रभाव दिख रहा है लेकिन कुछ पर नहीं दिख रहा है।

उम्मीद है स्थितियां जल्द ही सामान्य हो जाएंगी और इसकी एक बहुत बड़ी वजह बजट होगी।